

१०८ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ स्वप्नाध्यायं युव कामि सर्वं तु हवि तच्छुभा अंशु नरुर्ध्व
यानी नवानां श्ला नरु गव ॥ स्वप्ना कथं सर्वं द्वाय ॥ वागीस यथमेव हल सद्मानसा दक्षि नरु
ललाय ॥ नय हव सद्मानसा आला नरु ललाय ॥ स्वप्न हव सद्मानसा स्वला नरु ललाय ॥ पिय हल
सद्मानसा कादा गुलिला सरु ललाय ॥ सुथा दिय इव वल सद्मानसा कला नरु ललाय ॥ थगव
लसद्मानसा नरु यक मगव ॥ इउ मव वसा अवसरु ललाय ॥ सन्द ह ममाल निभ्वयनी ॥ ॥ सवा ॥ किनि ॥
सा ॥ का ॥ थग गया वरु ॥ गु जाया ॥ वना न व जाया ॥ नाम सदा द्वा ॥ वि ॥ थया सव नाया ॥ ला का लि थ

हयन

यास्रवगाया॥ थमशायाधर्क॥ कुनर्ननयाधर्क॥ थमसक गाया नसा धनला रुदय॥ मित्रुखादा॥ वीदे
॥ वादा॥ कदा॥ ससावसा॥ खान॥ भावाभाखीदा॥ कुत॥ युगाका॥ वथ॥ थमसक गाखिनसादाधर्क कान
सा, लक्ष्मीवृद्धिमानवायु॥ ॥ मनुष्या, ना, कार्थिथशत्रु, रुत॥ ठिक्कावधशत्रु, याकयादाथशत्रु, न
याधर्ककानसा, दाधनर्ककायालारुदय॥ ॥ नादा ननयाधर्ककानसा, धानकिटिकायालारु
दय॥ ॥ माठनयाधर्ककानसा, उठुधुठु धयमदा, नाजाया नारुदय॥ ॥ थवकनरग्रामस,
श्वलसदियावगयाधर्ककानसा, उगुलिग्रामयायनमानइय॥ नगनरुजसा, महार्थइय॥

ससतामताम

असुससुन, थवकभवन, घात्रकलाधर्कथशत्रु, कत्रकावन, थवकासयुनाधर्कथशत्रु, कुव
णुनथवकासयायाधर्ककानसा, थमनियु॥ ॥ थवकास, भखिनर्ककधर्ककानसा, थवकास
हिहावलाधर्ककानसा, सवीलमिथूनयादाधर्ककानसा, धमनारुदय॥ ॥ नाजान, किनि, सनाव
मु, भवनथवगाविनवलाधर्ककानसा, थव (ग) गुयाभावाभादय॥ ॥ दूदुडा, असिमा, गयाधर्क, स
सवसिमा, चका ननगयाव, सखायावनयाधर्ककानसा, नानाधनलारुदय॥ यनमानइयाधर्क, दा
वनकामनद्धादाधर्क, भवनथवगाख, कुविनाधर्ककानसा, दभनयाथववस्यइय॥ दूदुधनि,

विनवमाधर्ककानसा लकीधव कस वयावसय ॥ अथ कसि कक्षवत्रसि स क वासमाणनका
नसा वादयीव ॥ वाहाव साहाडा धर्ककानसा भवनवाधवययुद्ध ॥ यइय ॥ धवसनीवस वाविन
सयन केकेधर्ककानसा वाकानकदाय ॥ दादकनधानाधर्ककानसा गुरुनकावाधर्क वाकसन
दावाधर्क साकन खितान हाकवी धमसक नानकाधर्क कानसा नाकुरुयदय ॥ कुरुन
दाया कयामसनवाया धर्ककानसा अकानम यइय ॥ अयीव धननगया वधाकाधर्क नाभकन
लेयनयवाकाधर्क अयीव यगासनसकाववाकाधर्क कानसा मथनधनना हादय ॥ वादयनासनस

काववाकाधर्ककानसा नाना लखका हावथ वकुरु एनाक तयभाक ॥ भायूरवात्रसिमा भायूरगा
सन सदाववाकाधर्ककानसा सर्वदा विरुसधर्मवाधवययिव ॥ हाकुरुवात्रमिसा हाकुरुमनगिया
ववानाधर्ककानसा नाना रुयदयदय ॥ अयिव हाक भायु वाद धमखात्रमिसा भाकाववाकाव
खाकाधर्ककानसा गवलायन कयिव म्वायस सन्दरुका ॥ भायुवविववात्रासकायाधर्ककानसा
जिह्वनकाधनवा रुदयव ॥ गववीन विरुन रुयीव लकायाधर्क कानसा वनकवनवाइवसा लकवि
टकावा रुदयव कुरुकनसा पूरा रुदयव ॥ यालवाक वव मिश्रक थमदलिसदाकाववाकावया ॥

स्यन

धर्कं कानसा, धवकिल ग्रीवयीव॥ हिभादा, धभादा, धर्कं कानसा धनवा रुदयीव॥ वाहात्र, भायुव, खा
खादा धर्कं कानसा, हिंखात्र कलागदयीव॥ तुगीस, वाहागिस, गयीं गस, धया धर्कं कानसा, नवलकिमे
नायादा वलिनायदयीव॥ नवलदानेभ, यलनास धकाव, यूषु वियाद (धस, की वडा धूयाव, नया धर्कं
कानसा, ना जा इयीव॥ हिं द, नानया धर्कं कानसा, धनवा रुदयीव॥ धवनाद्य, कयायुवस, वाकाव, दा
सजा धूयाव नया, खसखागया धर्कं धरुन, खसिसक लद, हाव काव भादा धर्कं कानसा, ना जा इयीव॥
ददभादा धर्कं कानसा, तीर्थवा रुदयी॥ कूया, खाहानजाया, नलन नल, धामानवा ना वात्र की जाया धर्कं

कानसा, विद्यावन्त इयीव, कंकान रुयीव॥ नूरानदूहा विहाइया धर्कं कानसा, कलिन कलि वात्र की जाया
धर्कं कानसा, वयत्रिन वयलि वात्र की जाया धर्कं कानसा, उमनाभ इयीव॥ हाकू सिंद, हाकू किसि, हाकू वा
कल, हाकू नाजा, धगखादा धर्कं कानसा, मरिद, भवीवया रुय॥ धनीविनवादा धर्कं कानसा, वातला
यदयीव॥ धननया धर्कं कानसा, कूलायदयीव॥ धत्रिनया धर्कं कानसा, उरुदयीव॥ धत्रिखादा ध
र्कं कानसा, यिहलायदयीव॥ मनाक क धर्कं कानसा, विद्यासयिव॥ जानया धर्कं कानसा, धनवा रुदयीव॥
दवना, गुनु, जगल, वव, माम, (गम, कटक, नाजा, धनभिक धर्कं कानसा, सयवन्त इयीव॥ यानु-

सयन

आत्र म्याव वयलस थगखादा धर्क फा नसा वाखा द भदयीव विद्या ना रुदयीव ॥ सा वृताखा दा धर्क
फा नसा कायभाया दयीव ॥ शक्ति नीन मुठ धर्क फा नसा दुक्त कचि विनयु दा धर्क फा नसा धनना सइ
यीव गुलि सुखरुवा उलि दुखरुयीव ॥ थ गेया भानिक समया समा लः नक वन नध वस वा वा व मा ल
हुया व पूजा याय मूर्त्ती ता थर् यी ० संभव आगम संभव आर्या वला की भ भवया भानिक यद्गु याय भ
निश्रय भु रंश्रय रुवा ॥ ॐ निश्रय प्रयति क्षमाय ॥ ० ॥ ॥ शुभ ॥ श्री श्री नाम वास नाम ॥ ॥

॥ शुक्र ॥ श्री श्री श्री नाम वास नाम ॥ ॥

二 二 ● ❸ ❹ ❺ ❻ ❼



॥ ५४ ॥